सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, सोमवार, 01 सितंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 230, पृष्ठः 8+4

जिनपिंग ने कहा 'ड्रैगन-हाथी अब आ जाएं साथ'

इनसाइड ...बेशकीमती जमीन पर अब नजूल की एंट्री... » Pg 03

» Pg 12

मायावती का बड़ा दांव

बसपा अकेले लड़ेगी बिहार की 243 सीटें

यह फैसला इसलिए अहम क्योंकि बिहार की राजनीति गठबंधन और जातीय समीकरणों पर आधारित मानी जाती है

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने ऐसा ऐलान किया है, जिसने दोनों बड़े गठबंधनों की रणनीति हिला दी है। मायावती ने साफ कर दिया कि बसपा न तो एनडीए के साथ जाएगी और न ही इंडिया गठबंधन में शामिल होगी। पार्टी सभी 243 सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। यह फैसला इसलिए अहम है क्योंकि बिहार की राजनीति गठबंधन और जातीय समीकरणों पर आधारित मानी जाती है। ऐसे में बसपा का अकेले उतरना कई समीकरण बदल सकता है। बसपा की ताकत यूपी में रही है, जहां मायावती चार बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। बिहार में अब तक बसपा सीट नहीं जीत पाई है, लेकिन कई क्षेत्रों में उसे 10-15 हजार वोट मिले हैं। 2010 में उसे 3% वोट मिले थे, जो 2020 में घटकर 0.38% रह गए। यही वजह है कि पार्टी के सामने वोट को सीट में बदलना बड़ी चुनौती है।

नई रणनीति : आकाश आनंद की जिम्मेदारी

मायावती ने इस बार बिहार को तीन जोन में बांटकर संगठन मजबूत करने का फैसला किया है। उन्होंने अपने भतीजे और राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद को बिहार की कमान सौंपी है। आकाश सितंबर से 'अधिकार यात्रा' शुरू करेंगे, जिसके जरिए दलित, अति पिछड़े (EBC) और पसमांदा मुस्लिम समुदाय को जोड़ने की कोशिश होगी।

बिहार की आबादी में दलित करीब 16%, अति पिछड़े 20% और मुसलमान लगभग 17% हैं। बसपा का मानना है कि इन वर्गों को एक मंच पर लाकर वह तीसरा विकल्प बन सकती है।

नया समीकरण और संभावनाएं

राजद यादव-मुस्लिम समीकरण पर, जदयू अति पिछड़ों पर और भाजपा ऊपरी जातियों व शहरी मतदाताओं पर टिके हैं। ऐसे में बसपा का दांव है कि वह दलित + EBC + पसमांदा मुस्लिम गठजोड़ बनाकर अपनी जमीन तैयार करे। विश्लेषकों का मानना है कि अगर बसपा 2-3% वोट भी हासिल करती है तो कई सीटों पर नतीजे प्रभावित हो सकते हैं। बिहार में अक्सर 2-3 हजार वोट का अंतर ही जीत-हार तय करता है। यही वजह है कि इंडिया गठबंधन में बेचैनी है, क्योंकि वोट बंटने का सीधा फायदा भाजपा-एनडीए को मिल सकता है। मायावती का यह ऐलान केवल चुनावी रणनीति नहीं, बल्कि एक बड़ा राजनीतिक संदेश भी है। वह दिखाना चाहती हैं कि बसपा अब गठबंधनों पर निर्भर नहीं रहेगी और बाबा साहेब अंबेडकर व कांशीराम के मिशन पर चलते हुए स्वतंत्र पहचान बनाएगी।

बड़ा खतरा टला!

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में दो आतंकी हथियार के साथ गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जम्मू कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आतंकवादियों, तारिक शेख और रियाज अहमद को गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो राइफल और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया है, जिससे क्षेत्र में सक्रिय एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शनिवार को संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सीमावर्ती 11 इलाकों में घेराबंदी और तलाशी अभियान (कासो) शुरू किया। यह ऑपरेशन मेंढर, मनकोट और सुरनकोट के बेहरा कुंड, पोथा जंगल, सुरनकोट, पीर तनोरा, सांगला, मोहल्ला लोहार चंडीमढ़, कंडी, कांगड़ा, केरी गलहुटा, मुगल मारा मोहल्ला मुरी और पोली वाला ढोक इलाकों में चलाए गए।

ऐतिहासिक दौरा **चीन में दिखी दोस्ती की मजबूत बुनियाद, दोनों की दोस्ती और आपसी बातचीत की देश-विदेश में चर्चा**

पीएम मोदी का 10 मिनट इंतजार करते रहे पुतिन, फिर कार में साथ सफर...

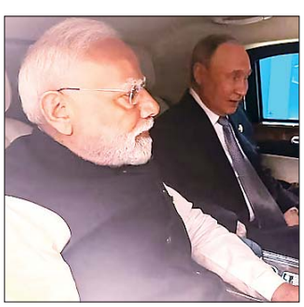

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चीन दौरा ऐतिहासिक रहा। तियानजिन में हुए एससीओ समिट में उन्होंने आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाया और भारत का दृष्टिकोण स्पष्ट किया। पीएम मोदी ने पुतिन संग गहन बातचीत कर सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया, जबकि शी जिनपिंग से मुलाकात में ट्रेड और बॉर्डर मुद्दों पर चर्चा की। यह दौरा भारत की वैश्विक भूमिका को मजबूत करता दिखा।

पीएम मोदी ने यहां अपने 'प्रिय दोस्त' व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं की दोस्ती और आपसी बातचीत की देश-विदेश में चर्चा है। खास बात ये है कि पुतिन और मोदी ने एक ही कार में सफर भी किया। एससीओ समिट स्थल से होटल तक की यात्रा के दौरान यह दिलचस्प वाकया सामने आया।

दरअसल, राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी के साथ एक ही कार से जाने की इच्छा जताई। इसके लिए उन्होंने लगभग 10 मिनट तक इंतजार किया। इसके बाद दोनों नेता पुतिन की 'Aurus' कार में बैठे और कई मुद्दों पर चर्चा की। होटल पहुंचने के बाद भी दोनों नेताओं ने कार में ही लगभग 45 मिनट तक बातचीत जारी रखी। इसके बाद करीब एक घंटे तक औपचारिक द्विपक्षीय बैठक भी हुई। इससे पहले एससीओ समिट स्थल पर भी मोदी-पुतिन की दोस्ती की एक शानदार झलक सामने आई, जहां दोनों नेता चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ भी खड़े होकर आपसी चर्चा करते देखे गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय चीन दौरे पर थे, जहां उन्होंने तियानजिन में आयोजित शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) समिट में हिस्सा लिया।

काम के दबाव और लापरवाही से इलेक्ट्रीशियन की मौत

» मंधना में हादसा या लापरवाही? परिवार ने लगाए गंभीर आरोप

» इलाज में देरी और डॉक्टर की गैरहाज़िरी पर अस्पताल प्रशासन सवालों के घेरे में

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। बिठूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंधना इलाके में रविवार को एक इलेक्ट्रीशियन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के पुत्र ने आरोप लगाया है कि मकान मालिक ने दबाव बनाकर उसके पिता को काम पर बुलाया, जबकि उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। इसी दौरान हादसा हुआ और अस्पताल प्रशासन की लापरवाही ने जान ले ली।

पीड़ित प्यूष शुक्ला ने तहरीर में बताया कि उसके पिता को मंधना निवासी शिवपाल सिंह के रिश्तेदारों के घर पर काम करने के लिए बुलाया गया था। दोपहर करीब 2:40 बजे शिवपाल सिंह ने फोन कर सूचना दी कि उसके पिता को चोट लगी है और उन्हें रामा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।अस्पताल पहुंचने पर प्रार्थी ने देखा कि शिवपाल सिंह की कार (78 DY 7272) का बोनट क्षतिग्रस्त था। पूछने पर उन्होंने गोलमोल जवाब दिया। वहीं, इलाज के नाम पर अस्पताल कर्मचारियों ने परिवार से लगातार दवाइयों के लिए मोटी रकम ली, लेकिन घंटों तक डॉक्टर उपलब्ध नहीं रहे।परिवार का आरोप है कि अस्पताल ने मरीज की गंभीर हालत के बावजूद दूसरे अस्पताल में रेफर नहीं किया। देर शाम अचानक दवाइयां लिखवाई गईं और कुछ ही मिनटों बाद परिजनों को मौत की सूचना दे दी गई। अस्पताल कर्मियों ने खुद माना कि मरीज का इलाज वीडियो कॉल पर न्यूरो डॉक्टर से कराया गया था।पीड़ित परिवार ने शिवपाल सिंह, पूजा सिंह और अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अखिलेश दुबे की जालसाज़ पीड़िता अमिता यादव गिरफ्तार

» झूठे दुष्कर्म मुकदमे में फंसाकर उगाही का आरोप

» पप्पू स्मार्ट गैंग से जुड़े तार, ऑपरेशन महाकाल से भी कनेक्शन

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। रंगदारी व फर्जी मुकदमेबाजी के खेल का बड़ा खुलासा हुआ है। वकील को झूठे दुष्कर्म के केस में फंसाकर वसूली करने की आरोपी कन्नौज निवासी अमिता यादव को रविवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि अमिता के संबंध माफिया पप्पू स्मार्ट गिरोह से हैं। खास बात यह है कि अमिता वही महिला है, जो हाल ही में कमिश्नर अखिल कुमार के ऑपरेशन महाकाल के तहत गिरफ्तार किए गए चर्चित अधिवक्ता अखिलेश दुबे के लिए काम करती थी। अमिता को कन्नौज से गिरफ्तार कर कानपुर लाया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

गिरोह की करतूतें और धमकियां

लाल बंगला निवासी अधिवक्ता ने बताया कि वर्ष 2015 और 2017 में उन्होंने राजा ययाति किले और लोक निर्माण विभाग की जमीन पर कब्जा करने वाले पप्पू स्मार्ट गिरोह के खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए थे। इससे नाराज गिरोह के सरगना अखिलेश दुबे और पप्पू स्मार्ट गैंग ने उन्हें बार-बार धमकाया। गिरोह ने पेशेवर महिलाओं अमिता यादव और अर्चना से फर्जी तहरीर दिलवाकर अदालत के आदेश से झूठे दुष्कर्म मुकदमे दर्ज करा दिए। आरोप है कि मुकदमों के वकील महेश गुप्ता और ओसामा आमिर ने भी समझौते के नाम पर 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। दबाव में आकर पीड़ित वकील ने एक लाख रुपये दिए भी। हालांकि पुलिस जांच में उन्हें बेगुनाह पाया गया। कोतवाली प्रभारी जगदीश प्रसाद पांडेय ने बताया कि अमिता यादव (40), निवासी गांव भकरोली, थाना ठठिया, कन्नौज को उसके घर से ही पकड़ा गया है। सोमवार को उसे अदालत में पेश किया जाएगा।

राधा अष्टमी पर श्री श्याम जी सखा मंडल द्वारा भव्य भंडारे का आयोजन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मानव सेवा ही माधव सेवा के संकल्प के साथ श्री श्याम जी सखा मंडल (पंजी.) कानपुर द्वारा राधा अष्टमी के पावन अवसर पर रविवार, 31 अगस्त 2025 को नयागंज स्थित बागला बिल्डिंग के सामने मासिक भंडारे का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 12 बजे श्याम प्रभु के जयकारों के साथ हुआ। भंडारे में हजारों की संख्या में गरीब, असहाय एवं क्षेत्रीय लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मंडल के कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक अग्रवाल ने भंडारे की सुव्यवस्थित व्यवस्था संभाली। दोपहर से प्रारंभ हुआ प्रसाद वितरण का क्रम देर तक निरंतर चलता रहा।

भंडारे में मंडल संरक्षक, पदाधिकारी एवं सदस्यों का अतुलनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर मंडल संरक्षक नरेश कुमार गर्ग, मनीष कुमार शर्मा, रामकृष्ण पांडे, निखिल रूहिया एवं अभिषेक अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सिविल लाइंस की बेशकीमती जमीन पर अब नजूल की एंट्री, अवैध कब्जे हटाने की तैयारी तेज

आगमन लॉन व नगर निगम की दुकानें खाली कराएगा प्रशासन

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सिविल लाइंस की करोड़ों रुपये कीमत वाली जमीन पर लंबे समय से चल रहे कब्जों को लेकर अब बड़ा कदम उठने जा रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि आगमन लॉन समेत नाले के ऊपर बनी सभी दुकानों को खाली कराया जाएगा। नगर निगम की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि वर्ष 1991-92 में आठ दुकानदारों को महज 63 हजार रुपये के अस्थायी पट्टे पर दुकानें आवंटित की गई थीं। इसके बाद से न तो किराया जमा हुआ और न ही पट्टे का नवीनीकरण हुआ। अब इन संपत्तियों की इंट्री नजूल भूमि में की जाएगी।

एडीएम फाइनेंस विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि नगर निगम से मिली रिपोर्ट में पट्टों की अस्थायी प्रकृति का जिक्र है। सभी दुकानदारों और कब्जेदारों को नोटिस जारी कर जल्द ही कब्जे हटाए जाएंगे।

नजूल भूमि में दर्ज होते ही आगमन गेस्ट हाउस, केनरी लंदन शोरूम, सैलून और अन्य कब्जे हटाए जाएंगे।

गौरतलब है कि हाल ही में रेप के फर्जी मुकदमे के जरिए रंगदारी वसूलने के मामले में वकील अखिलेश दुबे को जेल भेजा गया था।

इसी दौरान उसके अवैध कब्जों की पूरी परतें खुलीं। अखिलेश व उसके भाई सर्वेश दुबे के कब्जे वाली 13/188 जमीन पर आगमन लॉन व कई प्रतिष्ठान बने हुए हैं।

वक्फ और शत्रु संपत्ति का पेच

हालांकि प्रशासन तीन संपत्तियों 13/187, 13/188 और 13/190 को नजूल मानकर पैरवी कर रहा है, लेकिन मामला इतना सीधा नहीं है। इनमें से 13/190 पर वक्फ बोर्ड ने अपना दावा किया है और मुकदमा हाईकोर्ट में लंबित है। प्रशासन इस संपत्ति को शत्रु संपत्ति मानकर पैरवी कर रहा है।

फिलहाल प्रशासन ने साफ कर दिया है कि सभी

संपत्तियों को नजूल भूमि मानकर कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी। जल्द ही कब्जेदारों को नोटिस देकर जवाब तलब किया जाएगा और उसके बाद अवैध कब्जे हटाकर जमीन को प्रशासनिक नियंत्रण में लिया जाएगा।

पनकी में सरिया चोरी का बड़ा खेल

» ट्रेलरों से रोजाना 25-50 टन सरिया की चोरी, गोदामों और ढाबों में होता है स्टॉक

» ट्रांसपोर्ट-ड्राइवर से सांठगांठ कर कांटों पर चिप लगाकर लाखों की लूट का खेल

गाजियाबाद गिरोह की दस्तक से हड़कंप

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर नगर। पनकी थाना क्षेत्र में सरिया चोरी का बड़ा सिंडिकेट सक्रिय हो गया है। विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गाजियाबाद के सरिया चोरों ने पनकी और आसपास के इलाकों में डेरा डाल लिया है। इन माफियाओं ने ट्रेलरों के ड्राइवरों और ट्रांसपोर्ट संचालकों के साथ सेटिंग कर भारी मात्रा में सरिया चोरी का धंधा शुरू कर दिया है।सूत्रों का दावा है कि पनकी स्थित स्टील अथॉरिटी और अन्य सरिया कंपनियों से निकलने वाले ट्रेलरों को चोरी के लिए टारगेट किया जा रहा है। इस्पात नगर चौकी क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर की सड़कों पर रात के अंधेरे में ट्रेलरों से सरिया उतारी जाती है। चोरी के इस काम के लिए पतंजलि गोदाम के पीछे, पानी की टंकी के पास की खाली सड़क और कई अन्य जगहों को अड्डा बनाया गया है।सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि सरकारी कामों में उपयोग होने वाली सरिया को भी लूट लिया जाता है। कंपनी के अंदर लगे धर्मकांटे और कांटा संचालकों की मदद से ट्रेलरों में चिप लगाई जाती है, जिससे लाखों रुपए का हिसाब-किताब गड़बड़ा दिया जाता है। रात ढलते ही इस इलाके की सड़कों पर दिल्ली, हरियाणा और हमीरपुर नंबर की गायियां सर्राटा भरती नजर आती हैं।सूत्रों ने बताया कि सरिया माफियाओं की साठगांठ कानपुर के बड़े कारोबारियों से भी है। रोजाना 25 से 50 टन तक सरिया चोरी कर ट्रेलरों से दूसरे ट्रेलरों में लादकर औरैया स्थित एक ढाबे तक भेज दी जाती है। इसके अलावा चोरी का सरिया आस-पास के किराए पर लिए गए गोदामों में भी रखा जाता है। इसके बाद बिक्री का खेल शुरू होता है।इतनी बड़ी चोरी खुलेआम हो रही है, लेकिन सवाल यह उठता है कि आखिर किसकी छत्रछाया में यह सरिया चोरी का नेटवर्क फल-फूल रहा है? पुलिस और प्रशासन की चुप्पी ने इस सिंडिकेट को और मजबूत बना दिया है। अब देखना यह होगा कि क्या जिम्मेदार विभाग इस खेल का भंडाफोड़ कर पाएंगे या फिर सरिया चोरी का यह धंधा इसी तरह चलता रहेगा।

छह मौतों के बाद बंद हुआ घाट अब राजनीति की लहरों में फंसा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर (बिल्हौर)। अरौल का प्राचीन कोठी घाट एक बार फिर सियासी बहस के केंद्र में है। कुछ साल पहले यहीं पर छह लोगों की डूबकर मौत हो जाने के बाद सुरक्षा कारणों से घाट बंद कर दिया गया था। अब जनता घाट को दोबारा खोलने की मांग कर रही है, तो प्रशासन सुरक्षा का हवाला देकर पीछे हट रहा है। इसी खींचतान के बीच सपा और भाजपा आमने-सामने हैं।

शनिवार को सपा की पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह ने कार्यकर्ताओं संग घाट खोलने की मांग को लेकर पदयात्रा और धरना शुरू किया। आंदोलन शुरू होते ही प्रशासन हरकत में आया। एसडीएम संजीव दीक्षित और एसीपी अमरनाथ यादव मौके पर पहुंचे। त्योहार के मध्यनजर जिले में लगी बीएनएसएस की धारा 163 एवं बगैर परमिशन का हवाला देकर प्रदर्शन कर रहे लोगों को रोक गया। इस दौरान रचना सिंह गौतम के पति पंकज यादव और एसीपी के बीच तीखी झड़प हुई। पुलिस की सख्ती के चलते धरना खत्म करना पड़ा।

एफआईआर में कई बड़े नाम : आंदोलन के बाद पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए रचना सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विनय यादव, कंचन पाल समेत 11 नामजद और 150 अज्ञात पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया। वीडियो फुटेज से अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।

इंकलाबी चेहरा बन चुकी हैं रचना सिंह : लॉक डाउन के दौरान सक्रिय राजनीति में उतरीं रचना सिंह लगातार विरोध-प्रदर्शनों से सुर्खियों में रही हैं। पीडीए कार्रवाई से लेकर वोट चोरी तक के मुद्दों पर उन्होंने सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई। इसी संघर्षशील छवि के चलते उन्हें सपा का टिकट भी मिला, लेकिन हार का सामना करना पड़ा। अब तक उन पर कई मुकदमे दर्ज हो चुके हैं।

जनता की आस्था बनाम प्रशासन की दलील : गांव के लोग घाट पर अंत्येष्टि जैसी परंपराओं के निर्वाह में आ रही दिक्कतें गिना रहे हैं, तो प्रशासन का कहना है कि पुख्ता सुरक्षा इंतज़ाम के बिना घाट खोलना संभव नहीं। नतीजा यह है कि गंगा तट का यह ऐतिहासिक घाट आज श्रद्धा और सियासत के टकराव का प्रतीक बन गया है।

कुछ इस तरह सपाइयों की अफसरों से हुई तीखी नोंक-जोख।

भाजपा का पलटवार

स्थानीय विधायक मोहित सोनकर ने इस आंदोलन को राजनीतिक एजेंडा बताया। उन्होंने कहा कि कोठी घाट की बंदी को लेकर किसी ग्रामीण ने अब तक आधिकारिक शिकायत नहीं की। विपक्ष केवल सुर्खियों में बने रहने के लिए संवेदनशील मुद्दों को हवा दे रहा है। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष उपेंद्रनाथ पासवान ने कहा कि बिना सुरक्षा इंतज़ाम घाट खोलना लोगों की जान से खिलवाड़ होगा।

» सपा भाजपा के नेता लगा रहे एक दूसरे पर आरोप, क्षेत्रीय विधायक बोले-ये महज राजनीतिक स्टंट

» पुलिस ने रचना सिंह, विनय यादव, कंचन पाल समेत 11 नामजद और 150 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया

नीट क्वालीफाई शिवानी विद्यालय परिवार के साथ।

एमबीबीएस में चयन होने पर शिवानी का जोरदार स्वागत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर। प्रभा सनराइज संस्थान बिल्हौर से माध्यमिक शिक्षा पूरी करने वाली गया प्रसाद नगर निवासी शिवानी श्रीवास्तव का एमबीबीएस में चयन होने पर विगत दिवस बिल्हौर इंटर कॉलेज में जोरदार स्वागत किया गया। शिवानी के पिता सोनू श्रीवास्तव बिल्हौर इंटर कॉलेज में संविदा कर्मी हैं। इसके चलते शिवानी का विद्यालय में आना जाना लगा रहता था और स्टाफ से जुड़ाव था। विद्यालय परिवार ने शिवानी का जोरदार स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस दौरान प्रमुख रुप से प्रबंधक प्रभाकर श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य सुरजीत यादव, टीचर नूर इदरीशी, सुशील त्रिपाठी, शरीफ खान समेत कॉलेज के अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

राज्य अध्यापक पुरस्कार हेतु चयनित

शिक्षक का किया सम्मान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। प्राथमिक विद्यालय बंसठी, विकास खण्ड चौबेपुर, कानपुर नगर के शिक्षक राजन लाल का चयन राज्य अध्यापक पुरस्कार हेतु हुआ है। इस उपलक्ष्य में टीचर्स सेल्फ केयर टीम (TSCT) की जिला टीम ने उन्हें उनके आवास, बगिया क्रॉसिंग कल्यानपुर जाकर सम्मानित किया।टीएससीटी टीम ने राजन लाल को माल्यार्पण कर व स्मृति चिह्न (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर टीम ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि आगे चलकर राजन लाल का चयन राष्ट्रपति पुरस्कार हेतु भी हो। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी 26 जुलाई को टीएससीटी स्थापना दिवस के अवसर पर राजन लाल को संगठन के मंच से लखनऊ में सम्मानित किया गया था। सम्मान समारोह में टीएससीटी मंडल संयोजक जितेंद्र कुमार ,जिला संयोजक सुनील कुमार वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी अनूप कुमार यादव, जिला सहसंयोजक रिचा सिंह, वीरेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

पुरस्कार के लिए चयनित शिक्षक राजन लाल को सम्मानित करते टीएससीटी के पदाधिकारी।

पति सदमे में! **घर से गहने- नकदी समेटकर भी साथ ले गई**

सुहागरात के तीसरे दिन दुल्हन फरार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। शादी की आड़ में ठगी का बड़ा खेल सामने आया है। नई नवेली दुल्हन सुहागरात के तीसरे ही दिन घर से गहने- नकदी समेटकर फरार हो गई। इस वारदात ने परिवार और रिश्तेदारों को हिलाकर रख दिया है, वहीं दूल्हा रमन अब तक गहरे सदमे में है।

जानकारी के मुताबिक महाराणा प्रताप नगर निवासी महेश गुप्ता के बेटे रमन का विवाह 27 अगस्त को आज़मगढ़ निवासी सोनल से कराया गया था। आरोप है कि शादी कराने वाले दलाल और मध्यस्थ दिनेश, निताइन व उसके पति ने रिश्ता तय कराने के नाम पर एक लाख से ज्यादा रुपये ऐंठ लिए थे। लेकिन 30 अगस्त की रात दुल्हन ने घरवालों को नशीला पदार्थ खिला दिया और जेवर- नकदी लेकर फरार हो गई। सुबह परिजन जागे तो घर सूना और सपने बिखरे पड़े थे।

दुल्हन गायब, गहने गायब और पति रमन सदमे से उबर नहीं पा रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह किसी संगठित गिरोह की करतूत है, जो शादी के नाम पर लोगों को फंसाता है। परिजनो ने पुलिस में शिकायत की है। पुलिस कई एंगल से मामले की जांच कर रही है।

शादी के मौके पर दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देते लोग।

सम्पादकीय

हाईवे पर गति संग मति भी रहे दुरुस्त

देश में जब तेजी से हाई-वे बने तो लगा कि अब आम आदमी की यात्रा सुगम व सुरक्षित होगी। तब सफर में लोगों के घंटों बचने लगे। यात्रियों के पेट्रोल व डीजल की खपत कम हुई। विडंबना यह है कि कालांतर वाहनों की गति सीमाएं तोड़ने लगी। बेलगाम गति दुर्घटनाओं का सबब बनी। वे खबरें विचलित करती हैं जब पूरे के पूरे परिवार सड़क दुर्घटनाओं की भेंट चढ़ जाते हैं। निस्संदेह, जब व्यक्ति निर्धारित सीमा से अधिक की गति से वाहन चलाता है तो विषम परिस्थितियों में अचानक ब्रेक लगाना ही पड़ता है। ऐसे में पीछे से नियंत्रित गति में चलने वाले वाहन चालक भी सड़क दुर्घटनाओं की चपेट में आ जाते हैं। अकसर बेकसूर लोग दूसरों की गलती की कीमत चुकाते हैं। ऐसी ही दुर्घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला आया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि हाई-वे पर कोई वाहन चालक अचानक ब्रेक लगाता है तो दुर्घटना की स्थिति में इसे लापरवाही माना जाएगा। अदालत ने माना कि हाई-वे पर वाहनों का तेज गति से चलना स्वाभाविक है, लेकिन यदि कोई चालक अचानक वाहन रोकता है तो उसकी जिम्मेदारी बनती है कि वह ब्रेक मारने से पहले पीछे आने वाले वाहन चालकों को चेतावनी या कोई संकेत दे। उल्लेखनीय है कि यह फैसला वर्ष 2017 में कोयंबटूर में एक इंजीनियरिंग छात्र के साथ हुए हादसे के बाबत आया है, जिसमें उसे अपनी टांग गंवानी पड़ी। दरअसल, उसकी मोटरसाइकिल अचानक रोकी गई एक कार से टकरा गई थी। इस टक्कर में उसके नीचे गिरने पर पीछे से आ रही बस ने उसके पैर को कुचल डाला। कोर्ट ने कार चालक की इस दलील को तार्किक नहीं माना कि उसे पत्नी के अस्वस्थ होने के कारण कार अचानक रोकनी पड़ी। अदालत का मानना था कि उसने भले ही किसी भी परिस्थिति में कार रोकी,लेकिन उसे पीछे से आने वाले वाहन चालकों को संकेत या चेतावनी जरूर देनी चाहिए थी, ताकि इस हादसे को टाला जा सकता।

अदालत ने कहा कि यदि इस मामले में आधी गलती कार चालक की है तो बीस-बीस फीसदी गलती अपील करने वाले व बस चालक की भी है। कोर्ट ने अपील करने वाले को अगले वाहन से पर्याप्त दूरी न रखने व लाइसेंस न होने का दोषी माना। फलतः उसके मुआवजे में बीस फीसदी की कटौती की। दरअसल, हाई-वे पर होने वाले तमाम हादसों में वाहनों की निर्धारित सीमा से अधिक गति को मुख्य कारण बताया जा रहा है। 'हाई-वे रोड सेफ्टी रिपोर्ट 2021' के अनुसार दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि राजमार्गों पर होने वाली दुर्घटनाओं में 74 फीसदी हादसे वाहनों की निर्धारित गति सीमा से अधिक पर वाहन चलाने की वजह से होते हैं। जिसके चलते राजमार्गों में सुरक्षा मानकों को ताक पर रख दिया जाता है। निस्संदेह, हमने यूरोपीय स्टाइल के हाई-वे तो बना दिए मगर चालकों को नियम-कानूनों के पालन के लिये जागरूक नहीं कर पाये। यही वजह है कि दुर्भाग्य से देश की सड़कों में हर तीन मिनट में एक बेगुनाह व्यक्ति की मौत हो जाती है। जाहिर है,

पंजाब में चिंता बढ़ाते भूजल संकट के संकेत

सुधाकर शर्मा

पंजाब में कृषि बजट बढ़ाने के बावजूद इस क्षेत्र की पीड़ाएं कम नहीं हुईं। वजह, भूजल संकट लगातार बदतर होना है। हर साल जमीन से 28 मिलियन एकड़ फुट पानी निकलता है, जबकि भरपाई सिर्फ 17 मिलियन एकड़ फुट की...पंजाब में कृषि बजट बढ़ाने के बावजूद इस क्षेत्र की पीड़ाएं कम नहीं हुईं। वजह, भूजल संकट लगातार बदतर होना है। हर साल जमीन से 28 मिलियन एकड़ फुट पानी निकलता है, जबकि भरपाई सिर्फ 17 मिलियन एकड़ फुट की हो पाती है। भूजल स्तर सालाना करीब आधा मीटर की खतरनाक दर से गिर रहा है। इसकी वजह ऊर्जा-पानी-खाद्य' दुष्चक्र है। समाधान देर से धान रोपाई, विविधीकरण व व्यापक भूजल पुनर्भरण नीति है।पंजाब के सामने बहुत भारी भूजल संकट मुंह बाये खड़ा है, जिससे इसकी सभ्यता की सततता को ही खतरा बन चला है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब में उपयोग करने योग्य भूजल की आखिरी बूंद भी अगले 14 वर्षों में समाप्त हो जाएगी। वर्तमान राजनीतिक कार्यपालिका, योजनाकारों और नागरिक समाज का कर्तव्य है कि वे सुनिश्चित करें कि भूजल न केवल दुनिया के इस क्षेत्र की वर्तमान पीढ़ी के लिए बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए भी कायम रहे।

वैज्ञानिक डाटा से पता चलता है कि पंजाब हर साल धरती के गर्भ से 28 मिलियन एकड़ फुट पानी निकाल रहा है, जबकि वर्षा और इसकी तीन बारहमासी नदियों के माध्यम से भरपाई केवल 17 मिलियन एकड़ फुट की हो पाती है। इस असंतुलन के कारण भूजल स्तर प्रति वर्ष लगभग आधा मीटर की खतरनाक दर से और नीचे गिरता जा रहा है, जिसके चलते पंजाब रेगिस्तान बनने के करीब है।इस अत्यधिक दोहन के सबसे मुख्य कारणों में से एक है पंजाब में 'ऊर्जा-पानी-खाद्य' रूपी दुष्चक्र। चूंकि सरकार किसानों को अनाज उगाने के वास्ते पानी निकालने के लिए मुफ्त में पॉवर उपलब्ध कराती है, खासकर धान के लिए, इसलिए इससे पहले कि पंजाब बंजर और नकारा भूमि में तब्दील हो जाए,इस संकट को दूर करने को व्यावहारिक उपाय करना एक अतिरिक्त जिम्मेदारी बन जाती है। इसके अलावा, यह उल्लेख करना भी जरूरी है कि न केवल भूजल बहुत तेजी से गिर रहा है, बल्कि धरती की गहरी परतों से निकाले जा रहे पानी में भारी धातुएं और नाइट्रेट की मात्रा भी खतरनाक स्तर की होती है, जो इसे मनुष्यों और जानवरों के इस्तेमाल के अनुपयुक्त बनाते हैं। इसलिए, सही समय है कि सरकार स्थिति सुधारने के लिए तत्काल और जरूरी उपाय करे।

वैज्ञानिक मानसून के आगमन के साथ धान की रोपाई करने की सलाह देते हैं, लेकिन वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, सरकार को 20 जून से चरणबद्ध रोपाई कार्यक्रम लागू करवाना चाहिए। इसकी कई वजहें हैं जैसे किसान अब मुख्यतः कम अवधि वाली धान की किस्मों की खेती कर रहे हैं, जो 90-100 दिन में पककर तैयार होती हैं, जबकि 2009 से पहले लंबी अवधि वाली किस्मों की खेती की जाती थी, जो 130-140 दिन में तैयार होती थी। वहीं पंजाब देश का पहला राज्य था, जिसने 2008 में भूजल बचाने और संरक्षित करने के उद्देश्य से धान बुआई की तिथि विनियमित करने के लिए प्रगतिशील कानून बनाया था जिसके तहत धान रोपाई की तिथि 10 जून तय की गई थी, जिसे 2014 में आगे बढ़ाकर 15 जून कर दिया गया और तबसे तिथियों में मामूली हेरफेर के साथ यह तारीख जारी है।पिछले 17 वर्षों में किसान अपनी खरीफ फसलों के उत्पादन का 'पंजाब भू-मृदा जल संरक्षण अधिनियम 2009' नामक इस कानून के मुताबिक समायोजन करके करते आए हैं। पंजाब कृषि विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, 2009 से पहले भूजल स्तर में वार्षिक गिरावट 75 सेमी. थी, जो अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के कारण बाद वाली अवधि में टिकर 40 सेमी. रह गई।रिपोर्टों के अनुसार, पंजाब के तीनों जलाशयों - भाखड़ा बांध, रणजीत सागर बांध और पोंग बांध - में जल स्तर पिछले वर्षों की तुलना में सामान्य से 52 फीसदी कम रहा।

प्राकृतिक खेती व सरस रिश्ते से बनेगी बात

संपूर्ण ग्राम्य विकास

सुरेश सेठी

कुछ लोग कहते हैं कि प्राकृतिक कृषि से उत्पादन कम होता है, पर मेहनत व सूझबूझ से कार्य किया जाए तो प्राकृतिक खेती में कम खर्च पर भी अच्छा उत्पादन हो सकता है व उत्पादन की गुणवत्ता कहीं बेहतर होती है।पंजाब, हरियाणा व पश्चिम उत्तर प्रदेश के गांवों को एक समय देश के समृद्ध गांवों में माना गया, पर धीरे-धीरे यह स्पष्ट होता गया कि मिट्टी के प्राकृतिक उपजाऊपन में कमी, जल-स्तर नीचे जाने, पर्यावरण की क्षति, नशे में वृद्धि, जैसे कारणों से यहां की समस्याएं बढ़ रही हैं। समाज-सुधार व संतुलित विकास के मिलन की यहां बहुत जरूरत है, पर इसके अभाव में लोगों के दुख-दर्द कम नहीं हो पा रहे हैं। अतः आज सुधार व विकल्पों पर अधिक ध्यान देने से जरूरत है।

कृषि में खर्च कम करने पर और प्राकृतिक खेती के प्रसार पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। मिट्टी का प्राकृतिक उपजाऊपन लौटना चाहिए। इसमें उपस्थित केंचुए व सूक्ष्म जीव लौटने चाहिए। जल का अत्यधिक दोहन नहीं करना चाहिए। साथ में वर्षा के जल संरक्षण के उपाय सभी गांवों में अपनाने चाहिए। परागीकरण व अन्य प्राकृतिक क्रियाओं में मददगार कीट पतंगों व पक्षियों की रक्षा होनी चाहिए। कुछ लोग कहते हैं कि प्राकृतिक कृषि से उत्पादन कम होता है, पर मेहनत व सूझबूझ से कार्य किया जाए तो प्राकृतिक खेती में कम खर्च पर भी अच्छा उत्पादन हो सकता है व उत्पादन की गुणवत्ता कहीं बेहतर होती है।कम भूमि हो तो भी विविध फसलों का उत्पादन इस तरह के फसल चक्र व मिश्रित पद्धति से होना चाहिए ताकि विभिन्न फसलें एक-दूसरे की पूरक हों। लेखक देश के विभिन्न भागों में ऐसे कितने ही छोटे किसानों से मिल चुका है जो कम भूमि का ही उत्तम उपयोग करते हुए वर्ष में बीस-तीस तरह के उत्तम गुणवत्ता के अनाज, दलहन, तिलहन, सब्जी, फल, मसाले आदि प्राकृतिक पद्धति से उगा रहे हैं व प्रसन्न हैं। किसान कम खर्च की तकनीक अपनाएं तभी कर्ज मुक्त रह सकेगा व किसान का कर्ज मुक्त रहना सबसे जरूरी है।दूसरी मुख्य बात यह है कि एक समग्र नशा विरोधी अभियान निरंतरता से चलना चाहिए। इसके अंतर्गत महिलाओं के नेतृत्व व युवाओं की भागीदारी से सभी तरह के नशों— शराब, तंबाकू, बीड़ी-सिगरेट, गुटखे, ड्रग, चिट्टे, नशीली दवा आदि के विरोध का अभियान निरंतरता से चलना चाहिए। गांव में ऐसा माहौल बनना चाहिए कि नशे की भावना न्यूनतम हो सके।

गांव में सभी सदस्यों में एकता व भाईचारा बढ़ना चाहिए। सभी आपसी मेलजोल से, व एक-दूसरे का सहयोग करते हुए चलेंगे तो बहुत सी नाहक उत्पन्न हुई समस्याएं अपने आप दूर हो जाएंगी, जीवन सुखद हो जाएगा, तनाव कम हो जाएंगे व मिल-जुलकर ग्राम-सुधार के रचनात्मक कार्य करने की संभावना बढ़ जाएगी। महिलाओं को आगे आने व गांव के समाज-सुधार का नेतृत्व संभालने के अवसर अधिक मिलने चाहिए।शादी-ब्याह, मौज-मस्ती, दहेज, लेन-देन पर जो खर्च बढ़ते जा रहे हैं, उन्हें कम करना बहुत जरूरी है। एक समय था जब गांव समुदाय की पहल पर ही कई सुधार कार्य हो रहे थे पर अब यह कम हो गए हैं व तरह-तरह की फिजूलखर्ची होने के कारण कई परिवार कर्ज के संकट में फंसते जा रहे हैं। हमें जीवन की खुशियों को बेहतर सामाजिक व पारिवारिक संबंधों से प्राप्त करना चाहिए व इसके लिए फिजूलखर्ची पर निर्भर नहीं होना चाहिए।गांवों में छोटे-मोटे सभी झगड़ों का निपटारा ग्राम स्तर पर न्यायसंगत ढंग से करने का प्रयास करना चाहिए व व्यर्थ की मुकदमेबाजी व झगड़ों को लंबा खींचने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए।कोई भूस्वामी हो या भूमिहीन, इस जाति का हो या उस जाति का, गांव समुदाय के अभिन्न अंग के रूप में सभी को सम्मान मिलना चाहिए व अपेक्षाकृत साधन-सम्पन्न परिवारों का भरसक प्रयास यह होना चाहिए?

गणेश महोत्सव के स्वागत द्वार में चेहरा चमकाने की प्रवृत्ति

» आस्था के द्वार पर प्रचार लोगों को नागवार

» अधिकांश श्री गणेश महोत्सव के स्वागत द्वार पर सिर्फ कमेटी का नाम

» श्री बजरंग गणेश महोत्सव समिति ने नहीं कराया लगातार 14 वर्ष गणेश महोत्सव

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में हो रहे तमाम छोटे बड़े श्री गणेश महोत्सव की रिपोर्टिंग करने पर सामने आया कि अधिकांश संस्थाएं अपने पदाधिकारियों की फोटो स्वागत द्वार पर लगाने से परहेज करती हैं। शहर में कुछ ही स्थान पर स्वागत द्वार के ऊपर आयोजकों की फोटो नजर आई। अधिकांश जगह बैनर में मात्र कमेटी का नाम लिखा नजर आया। हां यह जरूर है कुछ जगहों पर गेट के पिलर्स पर स्पॉन्सर के प्रचार वाले बैनर नजर आए। स्वराज इंडिया प्रतिनिधि अब तक जहां-जहां गए उन्हें बजरंग चौराहा श्री गणेश महोत्सव के आयोजकों जैसी लापरवाही नजर नहीं आई।

धार्मिक आयोजन में भौकाल चाहने वालों का विरोध

लोगों से बात करने पर इक्का-दुक्का को छोड़कर इस मुद्दे पर जनता एक मत नजर आई कि जो लोग स्वागत द्वार पर कमेटी पदाधिकारी की फोटो लगाकर अपना भौकाल टाइट करते हैं, सर्वथा अनुचित है। धार्मिक आयोजन में इस तरह का दिखावा नहीं होना चाहिए। तमाम लोगों ने कहा कुछ लोगों के लिए सार्वजनिक धार्मिक आयोजन प्रतिष्ठा प्रदर्शन का अवसर बन रहे हैं।किदवई नगर चौराहे पर मिले अमित ने दावे के साथ कहा बाकरगंज से सीओडी तक दर्जन भर से अधिक स्वागत द्वार बने हैं। इन सभी जगह आपको गजानन सरकार की फोटो और कमेटी का नाम ही मिलेगा। 40 दुकान श्री गणेश महोत्सव पंडाल के निकट मिले मनमोहन गुप्ता ने कहा कि भक्ति स्थल पर भगवान के अतिरिक्त कोई अन्य चित्र लगाना पाप जैसा है। वहीं बृहस्पति महिला महाविद्यालय के पास मिले अजय पाल ने कहा कि तमाम युवक दिन-रात एक कर धार्मिक आयोजन को सफल बनाते हैं। अगर बदले में वह अपनी फोटो लगा लेते हैं तो इसे नजरअंदाज करना चाहिए। लेकिन अजय ने भी स्वागत द्वार पर फोटो लगाने के बजाय अलग से होर्डिंग लगाने पर जोर दिया।कल्याणपुर क्रॉसिंग के पास मिले युवक ने कहा नाम में क्या रखा है? अधिकांश आयोजन स्थानीय स्तर पर होते हैं। सभी जानते हैं कौन करा रहा है। ऐसी स्थिति में स्वागत द्वार या आयोजन स्थल पर अलग से दिखावा करना बेवकूफी से अधिक कुछ नहीं है।

स्वागत द्वार पर कमेटी के लोगों की फोटो लगाने का एक ही अर्थ निकलता है कि ऐसे लोगों का बाबा की भक्ति से कोई मतलब नहीं है। यह बाबा के कार्यक्रम को माध्यम बनाकर अपना प्रचार प्रसार करते हैं। यह नहीं होना चाहिए। मेरी मांग है कि आयोजन कराने वालों की आयोजन से पहले और बाद में अर्जित संपत्ति की जांच होनी चाहिए।

शारदा उपाध्याय पत्रकार

ईष्ट की भक्ति सर्वोपरि है। ईश्वर का स्थान सर्वोपरि है। अगर फोटो लगाना है, खुद का प्रचार करना ही है तो कार्यक्रम स्थल पर अलग से लगा सकते हैं। स्वागत द्वार पर केवल अराध्य को स्थान मिलना चाहिए।

अमन वर्मा एडवोकेट

आयोजनकर्ता धार्मिक आस्था बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। जनता का सहयोग यज्ञ में एक आहुति भर है। आयोजकों की फोटो लगाने से लोगों को प्रोत्साहन मिलता है। यह कोई बड़ा विषय नहीं है।

अर्पित द्विवेदी, व्यवसायी

ऐसा नहीं करना चाहिए। पूजा बप्पा की हो रही है तो फोटो केवल बप्पा की ही लगनी चाहिए। आयोजन का उपयोग अपने नेम फेम के लिए नहीं करना चाहिए।

शशांक टीचर

जो आयोजक स्वागत द्वार पर अपनी फोटो लगाकर प्रचार करते हैं, उनका ध्येय भक्ति नहीं बल्कि अपना भौकाल दिखाना है।

शहर में अधिकांश आयोजक मात्र संस्था का नाम लिखते हैं? फोटो लगाकर अपना प्रचार करने की प्रथा गिनी चुनी जगह पर ही है।

अंकित तिवारी

कानपुर के यशोदा नगर स्थित बजरंग चौराहे के जिस श्री गणेश महोत्सव के आयोजकों की लापरवाही के चलते यह बहस शुरू हुई उस बजरंग गणेश महोत्सव समिति ने ही 14 वर्ष लगातार गणेश महोत्सव नहीं कराया है। स्थानीय लोगों का कहना है यह सही है इस स्थान पर लगातार 14 वर्षों से श्री गणेश महोत्सव का आयोजन हो रहा है। लेकिन बजरंग गणेश महोत्सव समिति का बजरंग चौराहे पर यह मात्र चौथा आयोजन है।

2020 व 2021 में कोरोना के चलते तो 2022 में किन्हीं अज्ञात कारणों से यह आयोजन कमेटी के किसी पदाधिकारी के घर पर हुआ था। एक स्थानीय निवासी का तो यहां तक कहना है कि बजरंग गणेश महोत्सव समिति का गठन ही 2019 में हुआ था। उन्होंने प्रश्न किया जो संस्था 2019 के पहले अस्तित्व में ही नहीं थी, वो 14 वर्ष गणेश महोत्सव का दावा कैसे कर सकती है? स्थानीय निवासियों का कहना है जब तक इस महोत्सव के अध्यक्ष विजय कुमार शर्मा रहे, तब तक इस आयोजन में सभी भक्तों के साथ एक समान व्यवहार होता था। उस समय यहां पर आने वाले भक्तों की भीड़ निराली होती थी।

अरविन्द कुरील 16वीं बार क्षेत्रीय अध्यक्ष, सुरेन्द्र सिंह सेंगर 10वीं बार क्षेत्रीय मंत्री चुने गए

रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद कानपुर क्षेत्र का वार्षिक चुनाव सम्पन्न

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद, कानपुर क्षेत्र का वार्षिक चुनाव चुन्नीगंज बस स्टेशन पर सम्पन्न हुआ। चुनाव की अध्यक्षता अरविन्द कुरील ने की तथा लखनऊ क्षेत्र से गया प्रसाद तिवारी और प्रयागराज से मान सिंह बतौर प्रान्तीय पर्यवेक्षक मौजूद रहे।चुनाव में कानपुर क्षेत्र की सभी 17 शाखाओं के अध्यक्ष व मंत्री शामिल हुए। इनमें फजलगंज, माती, विकास नगर, फतेहपुर, उन्नाव, किदवई नगर, आजाद नगर, क्षेत्रीय कार्यशाला और टायर शॉप समेत विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कुल 60 सदस्यों ने मतदान में प्रतिभाग किया।सर्वसम्मति से परिणाम घोषित करते हुए परिषद ने एक बार फिर अरविन्द कुरील को 16वीं बार क्षेत्रीय अध्यक्ष, सुरेन्द्र सिंह सेंगर को 10वीं बार क्षेत्रीय मंत्री और अखिलेश मिश्र को 5वीं बार प्रान्तीय प्रतिनिधि चुना।चुनाव अधिकारी गया प्रसाद तिवारी और मान सिंह ने सभा स्थल पर ही नतीजों की औपचारिक घोषणा की।

साइटोकॉन कॉन्फ्रेंस 2025 में मेहरोत्रा बायोटेक ने प्रदर्शित की अत्याधुनिक साइटो सेंट्रीफ्यूगल मशीन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर में आयोजित साइटोकॉन कॉन्फ्रेंस 2025 में लखनऊ स्थित मेहरोत्रा बायोटेक ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए आधुनिक साइटो सेंट्रीफ्यूगल मशीन का प्रदर्शन किया।

कंपनी द्वारा लगाए गए स्टॉल पर चिकित्सा विशेषज्ञों, पैथोलॉजिस्टों और तकनीशियनों ने इस मशीन के बारे में गहरी रुचि दिखाई। कंपनी प्रतिनिधियों ने प्रतिभागियों को मशीन की तकनीकी विशेषताओं, कार्यप्रणाली और इसके उपयोग से मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

साइटो सेंट्रीफ्यूगल मशीन को आधुनिक चिकित्सा प्रयोगशालाओं के लिए अत्यंत उपयोगी उपकरण माना जा रहा है। इसके माध्यम से कोशिका-स्तरीय जाँच अधिक सटीक, तेज़ और प्रभावी ढंग से की जा सकती है। सम्मेलन में मौजूद चिकित्सकों ने इस तकनीक को सराहा और इसे भविष्य की प्रयोगशालाओं के लिए लाभकारी बताया।

मेहरोत्रा बायोटेक की ओर से विनय खन्ना, अमन गुप्ता और शुभम शुक्ला ने प्रतिनिधित्व किया। कंपनी का कहना है कि आधुनिक तकनीक के जरिये स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की उनकी प्रतिबद्धता निरंतर जारी है और यह पहल उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कमालगंज में गणेश महोत्सव का जलवा, बच्ची सोनम के भजन ने जीता दिल

- पुलिस-प्रशासन की मुस्तैदी से अराजक तत्व नाकाम, शांति व्यवस्था चाक-चौबंद
- कमालगंज में सजता है राज्य का माना हुआ गणेश पंडाल

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

फर्रुखाबाद। कमालगंज में इस वर्ष गणेश महोत्सव का आयोजन बड़े ही भव्य और उल्लासपूर्ण माहौल में किया जा रहा है। गणेश समिति के अध्यक्ष अमित गुप्ता के नेतृत्व में चल रहे इस महोत्सव में श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं।

पंडालों में भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है और सुबह-शाम भजन-कीर्तन के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।महोत्सव में इस बार बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा है। स्थानीय विद्यालयों के बच्चों के साथ-साथ बाहर से आए छात्र-छात्राओं ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई। इन्हीं में सुल्तानपुर की रहने वाली कक्षा 11 की छात्रा सोनम ने अपनी मधुर आवाज़ में भजन प्रस्तुत कर

श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया। सोनम के भजन के दौरान पूरा पंडाल भक्ति रस में डूब गया और दर्शक उत्साह से तालियाँ बजाते नजर आए।

कार्यक्रम में गणेश वंदना, नृत्य, गीत-संगीत और नाटक प्रस्तुत कर रहे बच्चों ने भी महोत्सव को खास बना दिया है। आयोजक समिति ने बताया कि बच्चों की भागीदारी महोत्सव की जान बन चुकी है और उनके उत्साह से पूरे पंडाल का माहौल जीवंत हो रहा है।दूसरी ओर, महोत्सव में सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए हैं। प्रशासन और पुलिस ने अराजक तत्वों की गतिविधियों पर पैनी नजर बना रखी है। महोत्सव स्थल पर पुलिस बल तैनात है और गश्त भी लगातार जारी है। सूत्रों के मुताबिक कुछ शरारती तत्व माहौल बिगाड़ने की फिराक में थे, लेकिन पुलिस की चुस्ती और प्रशासन की सख्ती के कारण उनकी एक भी नहीं चल पाई। प्रशासन का यह रवैया श्रद्धालुओं के बीच भरोसा और शांति बनाए रखने में बेहद कारगर साबित हो रहा है।

गणेश समिति के अध्यक्ष अमित गुप्ता ने बताया कि महोत्सव का उद्देश्य न केवल धार्मिक भावना को बढ़ावा देना है बल्कि बच्चों और युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी देना है। उन्होंने लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

4 माह नहीं टिक पाए मिश्रा जी, रात में ही श्रद्धा पांडेय ने संभाली कप्तानी

» कानपुर देहात में प्रशासनिक खींचतान ने मचाई हलचल

» राज्यमंत्री के धरने के बाद तीन बड़े अफसरों का तबादला

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। अकबरपुर कोतवाली में राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला के धरने और उनके पति, पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी की तीखी बयानबाजी के बाद जिले की प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। सरकार ने एसपी अरविंद मिश्र को हटाकर ईओडब्ल्यू लखनऊ भेज दिया, वहीं उनकी जगह अलीगढ़ पीएसी की सेनानायक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय को कानपुर देहात का नया पुलिस कप्तान नियुक्त किया गया है।

इससे पहले सरकार ने धरना प्रकरण के तुरंत बाद डीएम आलोक सिंह को जिले से हटाकर राज्य संपत्ति विभाग भेज दिया था। विवादों में घिरे अकबरपुर के एसडीएम अवनीश कुमार सिंह को भी माती मुख्यालय संबद्ध कर दिया गया था। अब चार माह पहले आए एसपी अरविंद मिश्र की विदाई ने प्रशासनिक हलकों में खलबली मचा दी है। मंत्री बनाम कोतवाल का विवाद बना केंद्रबिंदु राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने हाल ही में अकबरपुर कोतवाली में कोतवाल सतीश सिंह की कार्यशैली के खिलाफ धरना दिया था। उनके पति अनिल शुक्ला वारसी ने तो एसपी अरविंद मिश्र को डमी एसपी तक कह डाला।

मंत्री ने मुख्यमंत्री तक से मुलाकात की, जिसके बाद अफसरों पर कार्रवाई तेज हो गई।सबसे बड़ी चर्चा इस बात की है कि जहां डीएम, एसपी और एसडीएम का तबादला हो गया, वहीं जिनकी कार्यशैली को लेकर सवाल उठे ङ्क यानी कोतवाल सतीश सिंह ङ्क वे अब भी अपनी कुर्सी पर जमे हुए हैं। यही मुद्दा जिले में सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रहा है।

एसपी की विदाई से पहले का विवादित फेरबदल

24 अप्रैल 2025 को कार्यभार ग्रहण करने वाले एसपी अरविंद मिश्र ने थानों व चौकियों में बड़े स्तर पर तबादले किए।

जाते-जाते उन्होंने पामा, बिरहुन, देवीपुर, संदलपुर समेत 20 से अधिक चौकी इंचार्ज बदल डाले। लेकिन यह आदेश विवादों में आ गया और डीआईजी हरीश चंदर ने उनके ट्रांसफर पर रोक लगा दी।

अब नई तैनाती पाने की उम्मीद में बैठे कई दरोगाओं की सांसें अटक गई हैं।

नई कप्तान से काफी उम्मीदें

2017 बैच की आईपीएस श्रद्धा नरेंद्र पांडेय फिलहाल अलीगढ़ 38वीं वाहिनी पीएसी की सेनानायक थीं।

जिले की कमान मिलने के बाद उनसे कानून-व्यवस्था को स्थिर करने और प्रशासनिक खींचतान को खत्म करने की उम्मीदें जताई जा रही हैं।

सियासी दबाव और अफसरशाही की खींचतान

लगातार हो रही राजनीतिक हलचल और अफसरों पर उठ रहे सवालों के बीच यह कार्रवाई बेहद अहम मानी जा रही है। फिलहाल जिले में तीन बड़े अफसर – डीएम, एसपी और एसडीएम बदल चुके हैं, लेकिन कोतवाल का मुद्दा अब भी सुलझा नहीं है। यही प्रशासनिक टकराव आने वाले दिनों में कानपुर देहात की राजनीति और व्यवस्था, दोनों के लिए चुनौती बना रहेगा।

ग्राम प्रधान व सचिव पर सरकारी धन गबन का मुकदमा दर्ज

» फर्जी दस्तावेजों के सहारे लाखों रुपये ट्रांसफर

» मृतक के खाते में भी भेजे गए रुपये, अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,

कानपुर देहात। अकबरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुईतखेड़ा में वित्तीय घोटाले का मामला उजागर हुआ है। ग्राम प्रधान बृजेन्द्र सिंह यादव, उनके पुत्र कपूर सिंह और तत्कालीन पंचायत सचिव पर आरोप है कि उन्होंने आपराधिक साजिश रचकर सरकारी धन लाखों रुपये की हेराफेरी की है। पीड़ित नवनीत कुमार द्वारा अदालत में दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि वर्ष 2021 से 2022 के बीच अवैध रूप से ग्राम पंचायत खाते से धनराशि स्थानांतरित की गई।

मृतक के नाम से भी किया गया ट्रांजैक्शन

आरोप है कि इन लोगों ने साजिश के तहत फर्जी दस्तावेज तैयार कर

एक अन्य व्यक्ति जय सिंह यादव के खाते में भी रकम ट्रांसफर की। चौंकाने वाली बात यह है कि जय सिंह की मृत्यु अक्टूबर 2022 में हो चुकी थी, इसके बावजूद दिसंबर 2023 में मृतक के खाते में भी रकम भेजी गई। इससे स्पष्ट है कि सरकारी धन हड़पने के लिए संगठित तरीके से फर्जीवाड़ा किया गया।

प्रार्थी नवनीत कुमार ने इस घोटाले की शिकायत अगस्त 2024 में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और पुलिस अधीक्षक कानपुर देहात से भी की थी। लेकिन न्याय न मिलने पर उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया। अब मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट से मांग की गई है कि मामले की एफआईआर दर्ज कर अकबरपुर पुलिस से विवेचना कराई जाए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

गरीब बच्चों की शिक्षा पर जिलाधिकारी का संज्ञान, तत्काल दिए सख्त निर्देश

» गरीबी और पारिवारिक त्रासदी से जूझ रही महिला ने लगाई मदद की गुहार

» DIOS और BSA को बच्चों का नामांकन कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के आदेश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। ग्राम पिपरी थाना भोगनीपुर की रहने वाली पूजा पत्नी दीपू की व्यथा ने प्रशासन को झकझोर दिया। पूजा अनुसूचित जाति की महिला हैं और बेहद गरीब हालात में जीवन बिता रही हैं। आर्थिक तंगी के चलते वह अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने में असमर्थ हैं।

पूजा ने जिलाधिकारी कपिल सिंह को प्रार्थना पत्र देकर मदद की गुहार लगाई। उन्होंने उल्लेख किया कि 22 जुलाई 2024 की रात उनके पति दीपू ने परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया था। इस हमले में उनके देवर महेन्द्र की 6 वर्षीय बेटी काव्या की मौत हो गई थी। गंभीर घटना के बाद थाना भोगनीपुर में मुकदमा दर्ज हुआ और विचारण उपरांत अदालत ने 5 जून 2025 को आरोपी दीपू को फांसी, आजीवन कारावास और आर्थिक दंड की सजा सुनाई।पूजा ने बताया कि इलाज के लिए परिवार की सारी चल-अचल संपत्ति बेचनी पड़ी, जिससे अब बच्चों का भरण-पोषण और शिक्षा कराना बेहद कठिन हो गया है। इसी स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी कपिल सिंह ने तुरंत संज्ञान लिया और जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) व बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) को आदेशित किया कि बच्चों का उपयुक्त विद्यालय में दाखिला कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित कराई जाए।जिलाधिकारी ने साफ कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कोई भी पात्र बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा। प्रशासन प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

कानपुर देहात में सनसनी : एक ही घर में मामी और भांजे के शव मिलने से हड़कंप

» रसूलाबाद थाना क्षेत्र के बहेलियनपुरवा गांव में घटी रहस्यमयी घटना

» फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी, परिजनों में मचा कोहराम

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिरहुन ग्राम पंचायत के मजरा बहेलियनपुरवा में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक ही घर में मामी और भांजे के शव संदिग्ध हालात में मिले। घटना की सूचना मिलते ही गांव में भारी भीड़ जमा हो गई और पुलिस के साथ-साथ फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।मृतकों की पहचान मीना देवी (35 वर्ष) पत्नी सुखराम और इंद्रेश (40 वर्ष) पुत्र मान सिंह निवासी निगोह, छिबरामऊ के रूप में हुई है।

मीना देवी का शव घर के बाहर छप्पर के नीचे चारपाई पर पड़ा मिला, उसके गले में दुपट्टे का फंदा भी बंधा था। वहीं, भांजे इंद्रेश का शव कमरे के कोने में दीवार से सटा हुआ पाया गया।

दोनों की मौत को लेकर रहस्य गहराता जा रहा है।परिजनों के अनुसार, इंद्रेश रविवार रात करीब आठ बजे अपने मामा सुखराम के घर आया था और वहीं रुक गया था। बताया जाता है कि जिस मकान में सुखराम और उसकी पत्नी मीना देवी रहते थे, उसे भी इंद्रेश ने ही बनवाया था, वह राजगीर मिस्त्री का काम करता था। सुबह अचानक दोनों के शव मिलने पर परिवार और गांव के लोग सकते में आ गए।

एक ही घर में दो लोगों की संदिग्ध मौत से तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है,

जबकि फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। फिलहाल पुलिस घटना की गुत्थी सुलझाने में लगी हुई है।

गलत खून रिपोर्ट मामले में लीपापोती, अब अस्पताल परिसर में होगा अनशन

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

अयोध्या।सौ सैय्या संयुक्त चिकित्सालय, कुमारगंज में गलत ब्लड रिपोर्ट देने का मामला बीते दिनों सुर्खियों में रहा। स्वराज इण्डिया ने पहले ही रिपोर्ट कर चेताया था कि यह सिर्फ लापरवाही नहीं, मरीज की जान से खिलवाड़ है। लेकिन खबर छपने के बाद भी न तो जांच पूरी हुई, न ही दोषियों पर कोई कार्रवाई।स्वराज इंडिया की पहली रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया था की महिला नंदिनी सिंह को पैथोलॉजी ने बी नेगेटिव रिपोर्ट दी। लखनऊ मेडिकल कॉलेज में दोबारा जांच में बी पॉजिटिव निकला। यह गलती जीवन के लिए खतरा बन सकती थी। उस समय पीड़ित परिवार ने सीएमएस को लिखित शिकायत दी थी। जांच का आश्वासन मिला, लेकिन आज

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com अयोध्या कानपुर, मंगलवार 26 अगस्त, 2025 11

कुमारगंज संयुक्त चिकित्सालय में लापरवाही से बदल गई ब्लड रिपोर्ट

» महिला मरीज की जान पर बना संकट, केजीएमयू डॉक्टरों ने बचाई जिंदगी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। सौ सैय्या संयुक्त चिकित्सालय कुमारगंज में लापरवाही का ऐसा मामला सामने आया है जिसने चिकित्सा तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पैथोलॉजी विभाग में की गई खून की गलत जांच रिपोर्ट ने एक महिला मरीज की जान खतरे में डाल दी।इनपुट के अनुसार खंडासा थाना क्षेत्र के राय पट्टी गांव निवासी आशीष कुमार सिंह अपनी पत्नी नंदिनी सिंह का इलाज संयुक्त चिकित्सालय कुमारगंज में करा रहे थे। 1 अगस्त को पैथोलॉजी जांच में महिला का ब्लड ग्रुप नेगेटिव बताया गया।

बाद में प्रसव पीड़ा बढ़ने पर मरीज को मेडिकल कॉलेज अयोध्या रेफर किया गया, जहां बिना नई जांच किए रिपोर्ट को सही मान लिया गया और फिर लखनऊ मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। लखनऊ मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने ब्लड की जांच कराई तो रिपोर्ट में महिला का ब्लड ग्रुप बी पॉजिटिव निकला। समय रहते सही रिपोर्ट आने से महिला की जान बची और सुरक्षित प्रसव हो सका।

शिकायत और बहानेबाजी

घटना के बाद पीड़ित पति ने सीएमएस को शिकायती पत्र सौंपा। हालाकि, सीएमएस ने सिर्फ कार्यवाही का आश्वासन देकर उन्हें लौटा दिया।

100शैय्या संयुक्त चिकित्सालय कुमारगंज-अयोध्या

सवाल..........................

-प्रशासनिक सवाल गलत रिपोर्ट कैसे बनी?

-बिना जांच किए रेफर करने का आदेश क्यों दिया गया?

-क्या जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी या मामला दबा दिया जाएगा?

पीड़ित आशीष कुमार सिंह का कहना है कि वह मामले को लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे और दोषियों को सजा दिलाकर रहेंगे।

पैथोलॉजिस्ट डॉ. प्रशांत कुमार का कहना है कि रिपोर्ट तैयार करने का कार्य अन्य कर्मी भी करते हैं, उन्हें जानकारी नहीं थी।

तक कार्रवाई शून्य।

अब परिवार का ऐलान- 5 सितंबर को अनशन

आशीष कुमार सिंह ने शनिवार को अस्पताल अधीक्षक को चेतावनी पत्र सौंपते हुए कहा जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, हम अस्पताल परिसर में अनशन करेंगे।

ऐसे में स्वराज इण्डिया सवाल उठाता है की क्या स्वास्थ्य विभाग केवल आश्वासन देने तक सीमित है? क्या दोषियों को बचाने के लिए कोई अदृश्य हाथ सक्रिय है? क्यों नहीं हो रही जिम्मेदार पैथोलॉजिस्ट और स्टाफ पर दंडात्मक कार्रवाई?वही अंदरूनी सूत्रों का दावा है कि अस्पताल प्रबंधन पर 'मामला दबाने का दबाव' है। पैथोलॉजी विभाग की आंतरिक जांच को भी 'फाइलों में उलझा' दिया गया है।

गलत रिपोर्ट देने वाले कर्मियों पर कार्रवाई न होना सवाल खड़े करता है कि क्या अयोध्या का स्वास्थ्य तंत्र जवाबदेही से मुक्त हो चुका है?

अब निगाहें 5 सितंबर के अनशन पर हैं-क्या इससे न्याय मिलेगा या मामला फिर आश्वासनों के जंगल में खो जाएगा?

झांसी रेंज की कमान संभालते ही आईजी आकाश कुलहरि का सख्त संदेश

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

झांसी। अपराधियों और माफियाओं के दिन अब लदने वाले हैं। झांसी रेंज में नवागंतुक आईजी आकाश कुलहरि ने कार्यभार संभालते ही साफ कर दिया है कि अपराध और अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा किअपराधियों के मन में डर बैठेगा और थाने में ही पीड़ित को न्याय मिलेगा।

आईजी आकाश कुलहरि ने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए बताया कि प्रदेश व जिला स्तर पर चिह्नित माफियाओं को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। विचाराधीन मुकदमों में मजबूत साक्ष्य प्रस्तुत कर समय से गवाही कराई जाएगी, ताकि अपराधियों को सजा दिलाई जा सके।

» अपराधियों और माफियाओं के लिए बुरी खबर हैं आईपीएस आकाश कुलहरि

उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति के तहत महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करने के साथ उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। ऑपरेशन कनविक्शन के तहत जघन्य अपराधों के अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी कराई जाएगी। इसके अलावा सड़क की गुंडागर्दी पर पूरी तरह अंकुश लगाया जाएगा और ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार किया जाएगा।

नव आईजी ने पुलिस को अधिक जिम्मेदार, मददगार और तकनीक-सक्षम बनाने पर जोर दिया। साइबर क्राइम जैसे बढ़ते अपराधों पर नकेल कसने, पुलिस प्रशिक्षण व अनुशासन को मजबूत करने और मानव संसाधन के बेहतर उपयोग पर विशेष बल देने की बात कही।

राजस्थान के बीकानेर जिले के निवासी, 2006 बैच के आईपीएस आकाश कुलहरि अब तक कानपुर, प्रयागराज, अलीगढ़, वाराणसी और ललितपुर सहित दर्जन भर जिलों में कप्तान रहते हुए अपनी सख्त और न्यायप्रिय पुलिसिंग के लिए जाने जाते हैं। लखनऊ मुख्यालय में आईजी लोक शिकायत के पद पर अपनी सेवाएं देने के बाद अब उन्हें झांसी रेंज की जिम्मेदारी सौंपी गई है।उनका स्पष्ट संदेश है-हर नागरिक को भयमुक्त व अपराध मुक्त वातावरण उपलब्ध कराना मेरी पहली प्राथमिकता है।

रामनगरी के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में खेल जारी

» रातों रात गायब हो गए जागरूकता वाले बोर्ड,

» नाक के नीचे राज्य संपत्ति पर हाथ साफ!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी की सड़कों पर पर्यावरण जागरूकता का संदेश देने वाले बैनर अचानक गायब हो गए और प्रशासन को भनक तक नहीं लगी। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय और संजीवनी हॉस्पिटल के सामने लगाए गए ये बैनर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 18 अगस्त को लगाए थे।

31 अगस्त को सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक सावंत ने देखा कि बैनर रहस्यमय तरीके से गायब हैं। सवाल यह है–क्या यह महज चोरी है या किसी बड़े भ्रष्ट नेटवर्क की कारस्तानी?

स्वराज इंडिया का सवाल

किसने हटाए बैनर?
किसके इशारे पर राज्य संपत्ति पर हाथ साफ हुआ?
क्या यह किसी बड़े भ्रष्ट नेटवर्क का हिस्सा है?

सावंत का आरोप है कि यह केवल

बैनर की चोरी नहीं, बल्कि राज्य संपत्ति को नुकसान और सरकारी आदेश की धज्जियां उड़ाने जैसा अपराध है। उन्होंने एफआईआर दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगालने की मांग की है। पर्यावरण संरक्षण की बात करने वाली रामनगरी में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का बैनर ही सुरक्षित न रह सके– यह निगरानी तंत्र की नाकामी है।

Abhishek Sawant Sriv... 1:13 pm
to roayodhya, dmayo.up

प्रेषक:
अभिषेक सावंत
मुकेरी टोला, रिकाबगंज
अयोध्या – 224001
मो. – 8299021827
ईमेल – abhisheksrivastava831@gmail.com

प्रति:
क्षेत्रीय अधिकारी,
उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,
अयोध्या।

विषय: डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या के सामने लगाए गए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के बैनर के गायब होने के संबंध में शिकायत एवं FIR की मांग।

महोदय,

दिनांक 18 अगस्त 2025 को उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या के मुख्य द्वार के सामने तथा संजीवनी हॉस्पिटल के सामने 2 बैनर लगाए गए थे। इन बैनरों में स्पष्ट उल्लेख था कि इस क्षेत्र में कोई भी प्रदूषण न किया जाए।

इन बैनरों पर खर्च किया गया धन नागरिकों के कर (Tax) से प्राप्त राजस्व एवं राज्य संपत्ति का हिस्सा है।
मेरे संज्ञान में यह तथ्य आया है कि यह बैनर 29 अगस्त 2025 तक स्थल पर संभवतः मौजूद थे, किंतु दिनांक 31 अगस्त 2025 को मैंने व्यक्तिगत रूप से देखा कि उक्त बैनर गायब कर दिए गए हैं।

यह न केवल राज्य संपत्ति की क्षति है बल्कि सरकारी आदेश/नोटिस को जानबूझकर नष्ट करना भी है। चूंकि विश्वविद्यालय गेट पर एवं संजीवनी हॉस्पिटल के सामने सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, अतः इसकी जांच कर यह आसानी से पता लगाया जा सकता है कि बैनर किसने हटाया और इसमें किसकी संलिप्तता है।

मैं बताना चाहता हूं कि मैं (अभिषेक सावंत) एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में तालाबों के संरक्षण,

Reply Reply all Forward

गुलाबबाड़ी में शिक्षक सम्मान की महक या सियासी सौंध?

» 4 सितम्बर के शिक्षक सम्मान समारोह में राजनीतिक महक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। समाजवादी शिक्षक सभा का वार्षिक 'मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान' चार सितंबर को लोहिया भवन, गुलाबबाड़ी में आयोजित होगा। जिलाध्यक्ष दान बहादुर सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसे फकट्टरपंथ मुक्तफ सम्मान बताया, लेकिन तहलका की जांच कहती है–परंपरा की खुशबू के साथ सियासी सौंध भी मौजूद है।

पूर्व मंत्री पवन पांडेय की पहल पर 2012 में यह सम्मान शुरू हुआ। मकसद था– फयोग्य शिक्षकों को सम्मानित करना, बिना किसी विचारधारा के बंधन के। लेकिन समय के साथ समारोह ने राजनीतिक पहचान भी ओढ़ ली। जिलाध्यक्ष दान बहादुर सिंह ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, विशेष अतिथि डॉ. एस.पी. सिंह पटेल और डॉ. कमलेश यादव होंगे। साथ ही कई पूर्व मंत्री, विधायक और सांसद मंच साझा करेंगे।

कट्टरपंथ पर विवाद

दान बहादुर सिंह ने दोहरायाकट्टरपंथी को सम्मान नहीं।लेकिन स्वराज इण्डिया के सूत्रों के अनुसार एक पूर्व सम्मानित शिक्षक की फाइल मिली, जो संघ की विचारधारा से

जुड़े थे और बीजेपी से भी सम्मानित। सवाल उठता है क्या चयन समिति ने तब गलती की या बयान महज औपचारिकता?

सूत्रों के हवाले से खुलासा

स्वराज इंडिया को सूत्रों ने बताया कि इस बार चयन सूची में 'पीडीए' यानी पार्टी–धारा–अनुरूपता पर विशेष ध्यान रहा। नामों की सिफारिश पर कई दौर की बैठकों में तीखी बहस हुई। कुछ नाम कटे, कुछ नए जोड़े गए।

सम्मानित शिक्षकों की सूची

डॉ. माधुरी मौर्या
कुबरा यासमीन
दयाशंकर भारतीय
संतोष कुमार यादव
चन्द्र कमल वर्मा

स्वराज इंडिया का सवाल

-क्या गुलाबबाड़ी का यह आयोजन शिक्षा की नयी गाथा है या राजनीति की पुरानी पटकथा?

-पवन पांडेय और दान बहादुर सिंह की जोड़ी ने आयोजन को शिखर पर पहुंचाया है, लेकिन पारदर्शिता पर सवाल और भी पैने हो गए हैं।

डॉ0 अरविंद कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया नये आई0सी0यू0 का उद्घाटन

अयोध्या। जहां एक तरफ लगभग 12 सालों से चिरंजीव हॉस्पिटल जिले में चिकित्सा के क्षेत्र में नई–नई ऊंचाइयों को छूता जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ 31 अगस्त दिन रविवार को चिरंजीव हॉस्पिटल में नए 30 बेड के आई0सी0यू0 एवं 10 सुपर डीलक्स वार्ड व 6 सेमी प्राइवेट वार्ड के साथ–साथ 10 बेड का जनरल वार्ड बढ़ जाने से अब मरीजों को काफी हद तक अच्छी सुविधा मिलेगी। अवसर पर आये मुख्य अतिथि विधायक रुदौली रामचंद्र यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. उमेश चौधरी एक अच्छे सर्जन तो हैं ही उसके साथ साथ उनके अच्छे और विनम्र व्यवहार ने ही आज उन्हें इन ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। अयोध्या मेडिकल कॉलेज के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने भी डॉ उमेश चौधरी व चिरंजीव हॉस्पिटल परिवार के कार्य व व्यवहार की सराहना की और चिरंजीव हॉस्पिटल को निरंतर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं। चिरंजीव हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ0 उमेश चौधरी ने बताया कि मरीजों का अच्छा इलाज करना व उन्हें अच्छी सुविधाएं प्रदान करना हमारा प्रथम उद्देश्य है । उनका कहना था कि आज चिरंजीव हॉस्पिटल जिस मुकाम पर पहुंच चुका है उसका सारा श्रेय हमारे जिले के साथ साथ आस–पास के जिले की जनता को जाता है। डॉ0 चौधरी का कहना था कि हमें पूरी उम्मीद है कि इसी तरह आगे भी हमें मरीजों का आशीर्वाद व लोगों का प्यार मिलता रहेगा, जिससे हम उनके बेहतर इलाज व उससे संबंधित सुविधाओं में कुछ न कुछ नए आयाम जोड़ते रहेंगे। वहीं दूसरी तरफ चिरंजीव हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ0 जयन्ती चौधरी का कहना था कि चिरंजीव हॉस्पिटल प्रतिदिन अपने मरीजों के लिए कुछ न कुछ नया करता आ रहा है ?

पीएम मोदी से मिलने के बाद जिनपिंग ने कहा

'ड्रैगन-हाथी अब आ जाएं साथ'

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग आज तियानजिन में 7 साल बाद एक मंच पर मिले। इस दोनों नेताओं के बीच करीब 50 मिनट तक द्विपक्षीय वार्ता हुई। बातचीत में कैलाश मानसरोवर यात्रा, सीमा समझौते, व्यापारिक संबंधों और दोनों देशों के रिश्तों को बेहतर बनाने पर चर्चा की गई। इस दौरान राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर उन्हें खुशी हुई और यह समय है जब 'ड्रैगन और हाथी एक साथ आएं।' उन्होंने कहा कि भारत और चीन दुनिया की दो सबसे पुरानी सभ्यताएं और सबसे ज्यादा आबादी वाले देश हैं। दोनों देश ग्लोबल साउथ के अहम सदस्य हैं और अपने लोगों की भलाई व मानव समाज की प्रगति के लिए ऐतिहासिक जिम्मेदारी निभाते हैं।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए चीन का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले साल कजान में हुई मुलाकात के बाद दोनों देशों के रिश्तों को सकारात्मक दिशा मिली है। सीमा पर सैनिकों की वापसी के बाद शांति और स्थिरता का माहौल बना है। सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों के बीच समझौता हुआ है। इसके अलावा कैलाश मानसरोवर यात्रा दोबारा शुरू हो चुकी है और भारत-चीन के बीच डायरेक्ट फ्लाइट भी फिर से शुरू की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत और चीन का सहयोग 2.8 अरब (2.8 बिलियन) लोगों के हित से जुड़ा हुआ है। यह सहयोग पूरी मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों देश परस्पर विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

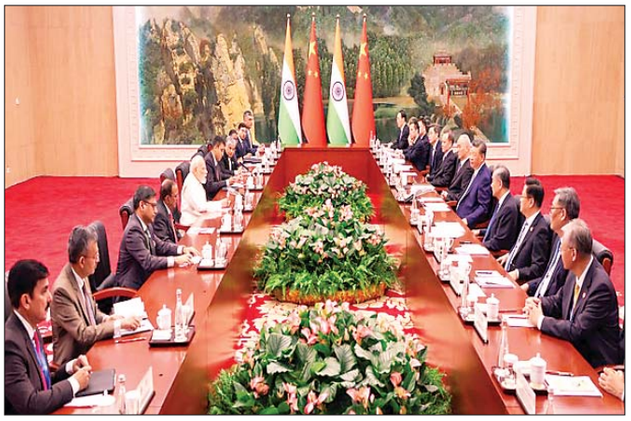

'सीमा विवाद से ऊपर रहें रिश्ते'

चीन के तिआनजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की बैठक से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई। यह मुलाकात लगभग एक घंटे तक चली। इसकी जानकारी चीन के विदेश मंत्रालय ने भी दी है। शी जिनपिंग ने कहा दोनों देशों का सहयोग बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 'ड्रैगन और हाथी', यानी चीन और भारत, को साथ मिलकर काम करना बहुत जरूरी है। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि शी जिनपिंग ने बताया कि भारत और चीन को अपने रिश्तों को लंबी सोच और योजना के साथ देखना चाहिए। उन्होंने चार बातों पर जोर दिया। पहली, दोनों देश आपस में ज्यादा बात-चीत करके भरोसा बढ़ाएं। दूसरी, मिलकर काम करें और एक-दूसरे को फायदा पहुंचाएं। तीसरी, एक-दूसरे की परेशानियों को समझें और शांति से साथ रहें, साथ ही सीमा के विवाद को रिश्तों पर हावी न होने दें। चौथी, कई देशों के साथ मिलकर काम करके एशिया और पूरी दुनिया में शांति और तरक्की लाएं।

तीसरे पक्ष के नजरिये से भारत-चीन रिश्तों को न देखें : पीएम मोदी

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद कहा कि भारत-चीन संबंधों को 'किसी तीसरे देश के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए।' यह टिप्पणी अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की कड़े व्यापार-शुल्क नीतियों की ओर इशारा मानी जा रही है।

भारत की विदेश मंत्रालय (MEA) की स्टेटमेंट के अनुसार, दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों जैसे आतंकवाद और बहुपक्षीय मंचों में निष्पक्ष व्यापार पर साझा आधार बढ़ाने की आवश्यकता पर सहमति जताई। उन्होंने एशियाई पड़ोसी देशों की रणनीतिक स्वायत्तता पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान जापान और चीन का पूर्वी दौरा, राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत के रूस से तेल खरीदने जैसे कदमों पर आलोचना करने के बाद आया। खासकर चीन का दौरा, सात साल के अंतराल के बाद, गालवां में सीमा विवाद के बाद ठंडी पड़ चुकी संबंधों में गमाज़हट लाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

मोदी और शी ने कहा, भिन्नताएं विवाद में न बदलें। दोनों नेताओं ने यह भी स्वीकार किया कि दोनों अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका वैश्विक व्यापार को स्थिर बनाने में अहम है।

मुठभेड़ | **घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सेना ने इलाके की घेराबंदी की, सर्च ऑपरेशन जारी**

जम्मू-कश्मीर पुंछ में एलओसी पर भीषण गोलीबारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारतीय सेना ने सोमवार को आतंकवादियों के घुसपैठ के प्रयास को नाकाम कर दिया। बलकोट क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधि देखी गई जिसके बाद मुठभेड़ हुई। सेना ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादियों को वापस खदेड़ दिया।

जम्मू-कश्मीर में इन दिनों मौसम का कहर देखने को मिल रहा है। हर तरफ बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। दूसरी तरफ इस मौसम का फायदा आतंकी उठाने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी तरफ से लगातार घुसपैठ की कोशिश की जा रही है। हालांकि सुरक्षा बलों की तरफ से उनकी हर कोशिश को नाकाम किया जा रहा है। फिलहाल दोनों तरफ से गोलीबारी जारी है, दूसरी तरफ सेना ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना के जवानों ने सोमवार को पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया

हाई अलर्ट पर सेना : भारतीय सेना के जवानों सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करके क्षेत्र पर पूर्ण नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए हमारे जवानों की तैनाती और दिशा बदल दी गई है। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'सैनिक अपने-अपने इलाकों में हाई अलर्ट पर हैं।' एक अधिकारी ने बताया कि जब सेना की सर्च ऑपरेशन यूनिट पहले हुई मुठभेड़ स्थल के करीब पहुंचे, तो दोनों पक्षों के बीच फिर से भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। अभी भी दोनों तरफ से गोलीबारी जारी है।

आतंकियों की हर कोशिश हो रही नाकाम : सेना के अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से देश में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। आतंकवादियों की गतिविधि तड़के बालाकोट के डब्बी गांव के पास देखी गई, जिसके बाद पहली मुठभेड़ हुई। उन्होंने बताया कि भारी गोलीबारी का सामना करते हुए, आतंकवादियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन अतिरिक्त बल भेजा गया और पूरे इलाके की घेराबंदी कर गहन तलाशी ली गई। इसके कुछ दिनों पहले ही सेना ने घुसपैठ की कोशिश करने वाले दो आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया था।

गृह मंत्री के दौरे के बीच घुसपैठ की कोशिश

यह घुसपैठ की कोशिश उस समय हुई जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पिछले महीने हुई भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद की स्थिति का आकलन करने को शीतकालीन राजधानी जम्मू के दौरे पर थे। सुबह 5.30 बजे, बालाकोट के सामान्य क्षेत्र में व्हाइट नाइट कोर के जवानों ने नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध गतिविधि देखी थी। सतर्क जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को रोकने के लिए तुरंत गोलीबारी शुरू कर दी।